Self-confidence and self-consciousness of high school students - A study

हाई स्कूल के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास एवं स्वचेतना –एक अध्ययन

Mrs. LAKSHMI KOTRE

PhD. Research Scholar, Education,
Department of Education,
Bharti Vishwavidyalaya,
Durg, Chhattisgarh, India.

सारांश :– प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य 'हाई स्कूल के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास एवं स्वचेतना–एक अध्ययन' करना है। अध्ययन में रायपुर जिले के हाई स्कूल के 100 बालिका तथा 100 बालक कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है। इस प्रकार कुल 200 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है। इस अध्ययन में आत्मविश्वास एवं स्वचेतना मापन हेतु डॉ.डी.डी. पाण्डेय एवं डॉ. आर.के.शासवत द्वारा निर्मित मापनी का उपयोग किया गया है। इस अध्ययन में पाया कि हाई स्कूल के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास एवं स्वचेतना में अंतर नहीं पाया गया।

मूलशब्द :– आत्मविश्वास, स्वचेतना, बालक, बालिकाएँ, हाईस्कूल।

प्रस्तावना :–

आत्मविश्वास का अर्थ होता है स्वयं पर विश्वास। किसी भी कार्य को करने के लिए व्यक्ति का स्वयं पर विश्वास होना अति आवश्यक है क्योंकि इस विश्वास के सहारे ही वह उस कार्य में सफलता प्राप्त कर सकता है। आत्म विश्वास सफलता की सबसे बड़ी पूँजी है। आत्मविश्वास, वह शक्ति है जिससे मनुष्य बड़े से बड़ा काम कुशलता पूर्वक कर सकता है। कोई भी विजेता के जीत का रहस्य आत्मविश्वास होता है, मनुष्य की संपूर्ण सफलताओं का भवन आत्मविश्वास के आधार पर टिका है आत्मविश्वास के द्वारा ही असंभव प्रतीत होने वाले कार्य संभव हो जाते है।

वर्तमान समय में हाईस्कूल क्षेत्र के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं स्वचेतना की कमी दिखाई देते है कुछ विद्यार्थियों में शैक्षिक संबंधी चिंताएँ बहुत अधिक होती है जिससे कि वह हताशा के शिकार हो जाते है और अनुचित कदम उठा लेते है। इस घटनाओं का प्रमुख कारण आत्मविश्वास एवं स्वचेतना की कमी होना है। ऐसे विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाकर ऐसे घटनाओं से विद्यार्थियों को बचाया जा सकता है।

संबंधित साहित्य का विवरण एवं समीक्षा :–

इस शोध से संबंधित साहित्य है जो पूर्व मे किए जा चुके है निम्नलिखित है–

शुक्ला(2007) ने पूर्व माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं की स्वचेतना और व्यक्तित्व गुणों के पारस्परिक संबंधों का तुलनात्मक अध्ययन किया'' एवं निष्कर्ष पाया कि विद्यार्थियों की स्वचेतना का उनके व्यक्तित्व गुणों से गहरा संबंध पाया गया। छात्र–छात्राओं की स्वचेतना स्तर अधिक होने पर व्यक्तित्व गुण भी अच्छे होते है ।

मनोहर शैला (2008) ने ''विद्यालय के बाहर के वातावरण में किशोर आयु वर्ग की पत्र–पत्रिकाओं का उनके आत्मविश्वास पर प्रभाव का अध्ययन'' पी.एच.डी. स्तर पर करते हुए पाया कि किशोर वर्ग पत्र–पत्रिकाओं की सुन्दरता, फैशन सबंधी विज्ञापन व साहसिकता भरी कहानियों से अधिक प्रभावी दिखाई दिया। इन पत्र–पत्रिकाओं के अध्ययन से किशोरों में ज्ञान निर्णय क्षमता एवं आत्मविश्वास तथा समझ का स्वरूप विकसित होता दिखाई दिया।

मार्क्श एस. हन्नला, हन्ना मैजाला और इर्की पैहकोनैन (2009) ने ''गणित में समझ और आत्मविश्वास का अध्ययन'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया जिसमें आत्मविश्वास एक ऐसा चर है जो भविष्य में विकास की भविष्यवाणी करने वाला महत्वपूर्ण चर है। एक बच्चे का आत्मविश्वास उसके भविष्य के विकास के बारे में भविष्य वाणी करता है साथ में उसकी उपलब्धि व सफलता के विकास का निर्धारण करता है। आत्मविश्वास और गणित के विकास के संबधं में एक महत्वपर्ण संबधं पहले भी शोधकर्ताओं द्वारा ढूढ़ा जा चुका है।

वर्मा वी.पी. 2010 ने ''किशोरावस्था में आत्मविश्वास का पोषण'' विषय पर पी.एच.डी. स्तर पर कार्य किया। एवं निष्कर्ष पाया कि किशोरों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए मुख्य कारक निम्न है– जिन बालकों को घर में प्यार का वातावरण मिलता है वे बालक आत्मविश्वासी होते है। तथा जिनके माता–पिता एक मार्गदर्शक के रूप में बालक का साथ देते है उनमें आत्मविश्वास का स्तर उच्च पाया जाता है।

डॉ. शिक्षा बनर्जी प्रकाशन वर्ष 2011 ने हाई स्कूल स्तर पर अध्ययनरत अंतर्मुखी एवं बहिर्मुखी विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर उनके कलात्मक अभिरूचि के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन किया। निष्कर्ष में पाया कि बहिर्मुखी छात्राओं के कलात्मक आत्मविश्वास और कलात्मक अभिरूचि में धनात्मक संबंध पाया गया। 2. बहिर्मुखी छात्राओं के कलात्मक आत्मविश्वास में अति न्यून सह संबंध पाया गया।

एस. वर्मा P.P. 131, ISSN:0976-1160 Oct 2013 No. 02 Vol-04- ''बदलते परिवेश में छात्राओं की शैक्षिक दुश्चितां पर आत्मविश्वास का प्रभाव'' निष्कर्ष :–1. ग्रामीण परिवेश में रहने वाले छात्राओं के आत्मविश्वास एवं उनके शैक्षिक दुश्चिंता के मध्य सार्थक धनात्मक सह संबंध पाया गया 2. शहरी परिवेश में रहने वाली छात्राओं के आत्मविश्वास एवं उनके शैक्षिक दुश्चिंता के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया 3. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं के आत्मविश्वास व शैक्षिक दुश्चिंता के मध्य सार्थक सह संबंध पाया गया।

शोध के उद्देश्यः–

1. बालकों में आत्मविश्वास व स्वचेतना स्तर का अध्ययन करना।
2. बालिकाओ में आत्मविश्वास व स्वचेतना स्तर का अध्ययन करना।
3. हाईस्कूल के बालकों एवं बालिकाओ में आत्मविश्वास व स्वचेतना के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना :–

1. हाईस्कूल के बालक एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
2. हाईस्कूल के बालक एवं बालिकाओं मे स्वचेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
3. हाईस्कूल के बालक एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास व स्वचेतना के प्राप्तांको के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

न्यादर्श :– प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधकर्ता न्यादर्श के रूप में रायपुर जिले के हाई स्कूल के 100 बालिका तथा 100 बालक कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है। इस प्रकार कुल 200 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है।

शोध विधि :– इस समस्या की प्रकृति के आधार पर सर्वेक्षण विधि का चुनाव किया गया है।

उपकरण :– प्रस्तुत समस्या ''हाईस्कूल के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास एवं स्वचेतना – एक अध्ययन'' हेतु निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया है– चयनित न्यादर्श पर आत्मविश्वास Self Confidence Invertary मापन हेतु मानकीकृत उपकरण डॉ. डी.डी. पाण्डेय द्वारा निर्मित रेडीमेंट टेष्ट एवं स्वचेतना(Self Consiousess) मापन हेतु आर.के. शासवत(569पी) का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं निष्कर्षः– परिकल्पना –

1 हाईस्कूल के बालक एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

उपर्युक्त परिकल्पना को सत्यापित करने के लिए प्राप्त आंकड़ो का हाई–स्कूल मे बालकों एवं बालिकाओं में विभाजित किया गया है। इसे निम्न सारणी द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

क्र.	छात्र/छात्रा संख्या (न्यादर्श)	N	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	क्रांतिक अनुपात (C.R.)	t-table (t-value0.05 level)	df	विश्वास स्तर	सार्थकता स्तर
1	हाई–स्कूल मे बालकों की संख्या	50	21.42	7.92	0.83	1.98	98	0.05	No Significant difference
2	हाई–स्कूल में बालिकाओं की संख्या	50	20.14	6.83					

Table 1

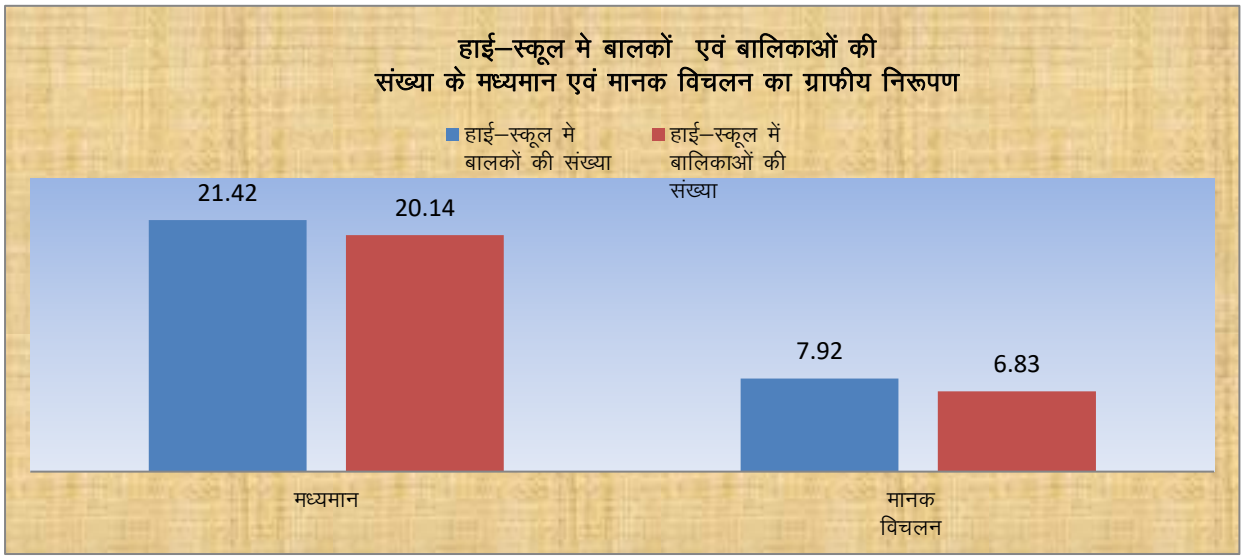

विवेचना एवं निष्कर्ष – उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि हाई–स्कूल के बालक एवं बालिकाओं का आत्मविश्वास का मध्यमान क्रमशः 21.42 एवं 20.14 तथा मानक विचलन क्रमशः 7.92 एवं 6.83 है तथा स्वतंत्रता के अंश 98 पर t मान 1.98 प्राप्त हुआ है। तथा क्रांतिक अनुपात (CR) का मान 0.83 का है। जो कि t-table = 1.98 से कम है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त नहीं होता है और परिकल्पना की पुष्टि होती है। इसलिए सार्थक अंतर नहीं पाया जावेगा। **अतः** हाई–स्कूल के बालक एवं बालिकाओ के आत्मविश्वास में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक–02 हाईस्कूल के बालक एवं बालिका के स्वचेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

उपर्युक्त परिकल्पना को सत्यापित करने के लिए प्राप्त आंकड़ो का हाई–स्कूल मे बालकों एवं बालिकाओं में विभाजित किया गया है। इसे निम्न सारणी द्वारा प्रदर्शित किया गया ळें

क्र.	छात्र/छात्रा संख्या (न्यादर्श)	N	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	क्रांतिक अनुपात (C.R.)	t-table (t-value0.05 level)	df	विश्वास स्तर	सार्थकता स्तर
1	हाई–स्कूल मे बालकों की संख्या	50	166.68	31.85	1.31	1.98	98	0.05	No Significant difference
2	हाई–स्कूल में बालिकाओं की संख्या	50	174.1	23.56					

Table 2

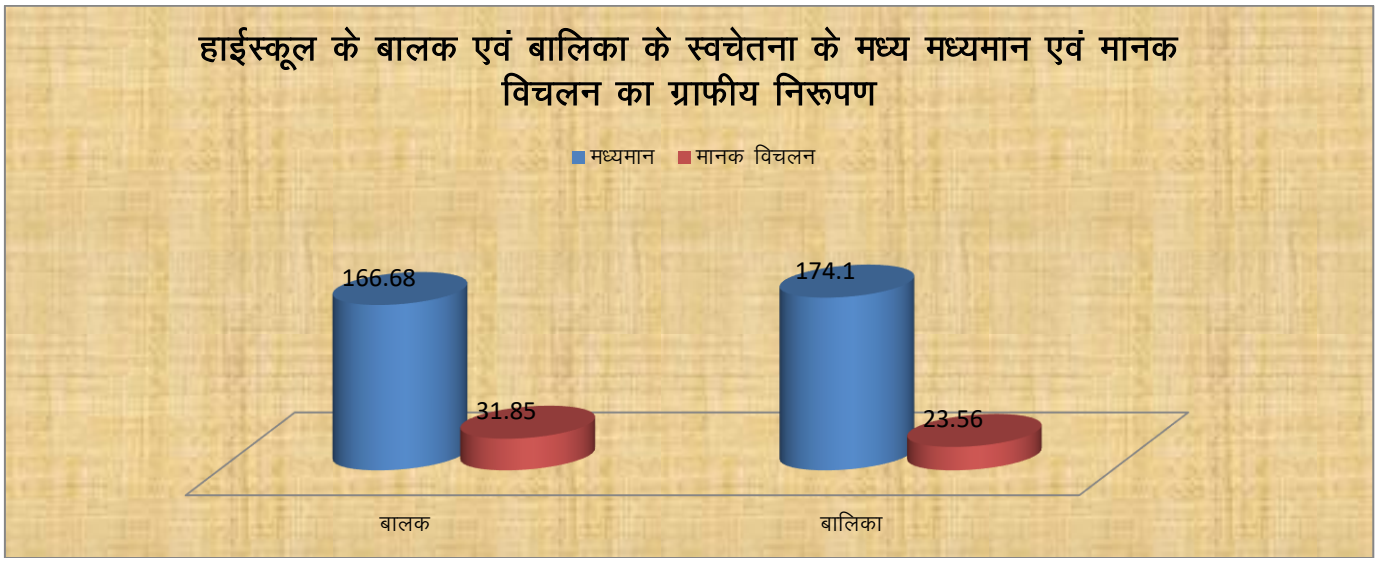

परिणाम की व्याख्या एवं निष्कर्षः– उपर्युक्त सारणी के आधार पर हाईस्कूल के बालक एवं बालिका के स्वचेतना स्तर के क्रांतिक अनुपात का मान 1.31 प्राप्त हुआ। यह मान 98df 5% सार्थकता स्तर पर प्राप्तमान t-table = 1.98 से कम है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त नहीं होता है और परिकल्पना की पुष्टि होती है। इसलिए सार्थक अंतर नहीं पाया जावेगा।
अतः हाई–स्कूल के बालक एवं बालिकाओ के स्वचेतना स्तर में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक–03 हाईस्कूल के बालक एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास व स्वचेतना के प्राप्तांकों के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

उपर्युक्त परिकल्पना को सत्यापित करने के लिए प्राप्त आंकड़ो (प्राप्तांको) को हाईस्कूल के बालकों एवं बालिकाओं का आत्मविश्वास हाईस्कूल के बालकों एवं बालिकाओं का स्वचेतना में में विभाजित किया गया है। इसे निम्न सारणी द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

क्र	चर	प्रदत्तों की संख्या N	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	सहसंबंध	Inter Pretation
1.	आत्मविश्वास	100	20.63	7.30	–0.59	सामान्य ऋणात्मक सह–सबंधं
2	स्वचेतना	100	171.33	27.56		

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि हाई स्कूल के बालक एवं बालिका के आत्मविश्वास एवं स्वचेतना के गुणों के मध्य सहसंबंध –0.59 है इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि सामान्य ऋणात्मक सह–संबंध है। अतः हमारा परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इसका तात्पर्य है कि हाई स्कूल के बालक एवं बालिका के आत्मविश्वास एवं स्वचेतना के स्तर में सार्थक अंतर पाया गया। इस तरह परिकल्पना क्र. 3 की पुष्टि नहीं हुई।

निष्कर्ष :–
शोध के निष्कर्ष के आधार पर कहा जा सकता है कि हाईस्कूल के बालकों का आत्मविश्वास तथा बालिकाओं के आत्मविश्वास का स्तर एक समान पाया गया है इसी प्रकार हाईस्कूल के बालक एवं बालिकाओं मे स्वचेतना का स्तर एक समान पाया गया है।

हाईस्कूल के बालक एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास व स्वचेतना के मध्य सामान्य ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया। क्योंकि माता पिता द्वारा प्रारंभ से ही बालकों एवं बालिकाओं के मध्य जेडंर भेदभाव किया जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि बालकों की तुलना में बालिकाओं का चेतना विकास में भिन्नता(कमी) आती है।

संदर्भ ग्रंथों की सूचीः–

1. Asakerh A. Yousofi N. (2018). *Reflective Thinking, self efficancy, self esteem and academic achievement of Iranian EFL student.* A research published in International journal of educational psychology ISSN-2014-3591 VOLUME 7, No 1 p68-89 Feb 2018.

2. Bekta, lknur, yardimci, Figun. (2018). "The effect of web-based education of the self confidence and anxiety levels of pediatric nursing interns in the clinical decision making process". *A research published in Journal of computer Assisted learning Dec 2018, Volume 34 Issue 6* , 899-906.
3. Geetha, S. (2018). (2018). Conducted a research work on "A survey of self confidence of B.ED. students.". *Research abstract published in International journal of Education and Psychological Research Volume7, issue2, June 2018 ISSN:2349-0853, ,* e2279-0179.
4. H. K. KAPIL. (2018). *Research Methods.* Rastrbhasa Upset Press.